खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उप मंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क). १९६१-६२ के सभी खाद्यान्नों के उत्पादन के अंतिम अनुमान अभी तक प्राप्त नहीं हुये हैं। खाद्यान्नों की मांग का ठीक ठीक अनुमान लगाना भी कठिन है क्यों कि यह मांग कई बातों पर निर्भर करती है जिनमें से अधिकांश का ठीक ठीक अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता है। अनुमान है कि १९६२ में सरकारी भंडार में से लगभग ३५ लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। मांग की अपेक्षा उत्पादन में लगभग इतनी ही कमी समझी जा सकती है।

(ख) भविष्य में होने वाले आयात का कार्यक्रम बताना जन हित में नहीं होगा।

(ग) भारत सरकार को संयुक्त राज्य अमेरिका से अपेक्षित गेहूं की मात्रा प्राप्त हो रही है और इसमें कोई कठिनाई नहीं है।

(घ) संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार के साथ जो मई, १९६० का पी०एल० ४८० करार हुआ था उसके अन्तर्गत हो रहे आयात के अलावा भारत सरकार के लिये ४ लाख मीट्रिक टन गेहूं आयात करना जरूरी है। आस्ट्रेलिया से गेहूं की यह खरीदारी साधारण बाजारों की आवश्यकता के अनुसार हो रही है।

(ङ) आस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका से जिस भाव पर गेहूं का आयात किया जा रहा है, उसका बताना जन हित में नहीं होगा। आस्ट्रेलिया का गेहूं सफेद किस्म का है जो कि न्यनाधिक संयुक्त राज्य अमेरिका के पश्चिमी सफेद गेहूं से मिलता जुलता है। भारत में आस्ट्रेलिया और अमरीकी गेहूं का बिक्री भाव बोरी का मूल्य सहित रु० २०.५१ प्रति क्विंटल है।

National Millers' Laboratory

*59. **Shri Basumatari;**
Shri Bishanchander Seth;
Shri Rameshwar Tantia;
Shri Bhagwat Jha Azad;
Shri Yallamanda Reddy:

Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is a proposal to set up a National Millers' Laboratory in Delhi to test the quality of wheat products;

(b) if so, to what extent it is likely to help in improving the quality of wheat;

(c) what will be the approximate cost of such a laboratory;

(d) whether it is not possible to create a competition among farmers for quantitative and qualitative increase of wheat per acre of land by announcing rewards by way of inducements; and

(e) if not, the reasons therefor?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

(d) and (e). The State Governments are already awarding suitable prizes in crop competitions among individual farmers for promoting the spirit of healthy competitions among them to raise the yield per acre. Competitions are also held at District and State levels for community awards.

Wagons for movement of coal from Bengal-Bihar Area

*60. **Shri Rameshwar Tantia:**
Shri S. M. Banerjee:
Shri Bishanchander Seth:
Shri P. R. Chakraverti:
Shri P. C. Borooah:
Shri Bhagwat Jha Azad:
Shri Bhakt Darshan:
Shri Raghunath Singh:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state: